मैं चिंतित हूँ कि कुछ असंवेदनशील लोगों द्वारा शाशित इस देश का क्या होगा। लेकिन हम उन्हें जनशक्ति द्वारा बदल सकते हैं। अन्ना हजारे

ईएसआइ अस्पताल वाया कूड़ाघर

तनिष्क सिंह तोमर, नोएडा

- हॉस्पिटल के मुख्यद्वार के पास बना कूड़ाघर
- आसपास के सेक्टरों के कूड़ा किया जाता है डंप

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री साफ-सफाई को लेकर रोज़ाना भाषण देते हैं । दरअसल भाषण और हकीकत में बहुत फर्क होता है। फर्क देखना हो तो कभी सेक्टर 24 स्थित ईएसआइ हॉस्पिटल जाइये। अस्पताल के मुख्य द्वार पर पहुंचते ही कूड़े के ढेर और बदबू से सामना होना तय है। वजह मुख्यद्वार के सामने बना कूड़ाघर है। अस्पताल में दवा बंटती है तो कूड़ाघर बीमारियाँ बांटता है।

प्राधिकरण के काबिल अफसरों ने न जाने क्यों कूड़ाघर के लिए ईएसआइ हॉस्पिटल के मुख्यद्वार के पास ज़मीन का चयन किया? यह कूड़ाघर यहां लंबे समय से है। यहां आसपास के सेक्टरों का कूड़ा डंप किया जाता है। कूड़े की वजह से अस्पताल में आने वाले लोगों का जीना मुहाल हो गया है। बदबू की वजह से बैठना मुश्किल हो जाता है। अस्पताल

ईएसआइ हॉस्पिटल के पास कूड़ा घर फोटो .जिम्सी

में भर्ती मरीजों को काफी तकलीफ होती है। दूसरी तरफ कूड़े की वजह से तमाम बीमारियां होने का भी खतरा रहता है।

डॉक्टरों का कहना है कि अस्पताल में आने वाले मरीजों की प्रतिरोधक क्षमता पहले ही कम होती है। ऐसे में कूड़े की वजह से वे आसानी से वे दूसरी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। ईएसआइ हॉस्पिटल के प्रशासन का कहना है कि यहां से कूड़ाघर को हटाने के लिए नोएडा

किसी भी अस्पताल के सामने कूड़ा नहीं होना चाहिए। हमारे अस्पताल के सामने तो डंपयार्ड है। कई बार इस बारे में नोएडा प्राधिकरण को पत्र लिख चुके हैं। डंपयार्ड को हटाने की मांग की गई है, लेकिन उनका कोई जवाब नहीं आया।

डॉ. नीलिमा (निदेशक, ईएसआई हॉस्पिटल)

प्राधिकरण को कई बार पत्र लिखा गया, लेकिन न तो कूड़ाघर हटा और न ही उन्होंने कोई जवाब दिया।

बारिश से मजदूरों की आठ झुग्गियां धराशाही

केतन चौहान,ग्रेटर नोएडा

- हज़ारो का नुकसान
- मिग्सन ग्रुप देगा मुआवजा

जिले में लगातार दो दिन हुई बारिश से शनिवार को साकीपुर रोड स्थित शिवालिक होम्स सोसाइटी के पास करीब आठ झुग्गियां धाराशायी हो गईं। हालांकि, इस हादसे में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। इन झुग्गियों में मिग्सन ग्रुप में काम करने वाले मजदूर रहते हैं।

मजदूरों का कहना है कि झुग्गी गिरने से उनका हज़ारो का सामान बेकार हो गया है। बताया जा रहा है कि बीते शनिवार की रात तेज बारिश और हवा की वजह से मजदूर पप्पू और उनके पड़ोसी अब्दुल वाहिद समेत चार लोगों की झुग्गियां ढह गई। इस हादसे में इन लोगों का करीब 50 हजार रुपये तक का नुकसान हुआ है।वाहिद ने कहा कि खुदा का शुक्र है कि हमारे साथी और उनका परिवार हादसे के समय काम पर थे। .अगर उस वक्त हम झुग्गियों में होते तो न जाने बच भी पाते या नहीं. पप्पू ने बताया कि अब तो झुग्गी में रहने में डर लगता है।.भगवान ने बचा लिया.मिग्सन ग्रुप ने तत्कालीन तौर पर इन मजदूरों की सहायता करते हुए उनके रहने तथा खाने-पीने का इंतजाम कराया है साथ ही मुआबजा देने का भी ऐलान किया है।.

वायरल फीवर के मरीजों से शहर के अस्पताल भरे

भुवन कुमार शुक्ला, नोएडा

- पांच सौ लोगों में डेंगू की पुष्टि
- जिला अस्पताल में दवा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध

सेक्टर-30 स्थित जिला अस्पताल इन दिनों वायरल फीवर के मरीजों से भरा हुआ है। हालात यह है कि अस्पताल में मरीजों का उपचार करने के लिए ओपीडी में अलग-अलग वार्ड बनाए जाने के बाद भी बेड कम पड़ रहें हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इस वक्त रोजाना 150-200 बुखार से पीड़ित मरीज आ रहें हैं। जिनमें टाइफाइड और डेंगू के मरीज अधिक हैं। आधिकारिक तौर पर अभी तक 500 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है तो वहीं टाइफाइड और अन्य बुखारों से 350 लोग पीड़ित है। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि इन बीमारियों के प्रति पूरी सतर्कता बरती जा रही है और पर्याप्त मात्रा में इनकी दवाएं उपलब्ध हैं। जिला अस्पताल के डॉक्टर एस.सी चन्द्रा के अनुसार इस समय डेंगू और टाइफाइड ही नहीं बल्कि इनके जैसे 8-10 तरीके के और बुखार चल रहें हैं। इन बुखारों के लक्षण डेंगू से काफी मिलते जुलते हैं। जिसमें टीएलसी प्लेटलेट्स दोनों कम हो जाता है जिसके चलते मरीजों के अंदर डेंगू का डर बना रहता है।

डॉक्टर के अनुसार डेंगू और अन्य बिमारियों से बचने के लिए लोगों को निम्न उपाय करना चाहिये- घर में एवं घर के आसपास पानी एकत्र ना होने दें, साफ़ सफाई का विशेष ध्यान रखें,यदि घर में बर्तनों आदि में पानी भर कर रखना है तो ढक कर रखें ,कूलर, गमले आदि का पानी रोज बदलते रहें,ऐसे कपड़े पहनें जो शरीर के अधिकतम हिस्से को ढक सके ,मच्छर रोधी क्रीम, स्प्रे, लिक्विड, इलेक्ट्रॉनिक बैट आदि का मच्छरों से बचाव के लिए प्रयोग करें, पानी खूब पिएं, फास्टफूड का सेवन न करें ।

गांजा बेचने के जुर्म में आधा दर्जन ढाबे बंद

अमानुल्लाह युसुफी, ग्रेनो

अपराध

- छात्रों की शिकायत पर पुलिस ने लिया एक्शन
- 4 महीने से चल रहा था नशे का कारोबार

नॉलेज पार्क फेस-2 स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी के सामने पिछले कुछ वर्षों से आधा दर्जन ढाबे चल रहे थे। चोरी छिपे ढाबे की आड़ में कुछ लोग गांजा बेचने का धंधा कर रहे थे। गांजा पीने के बाद कुछ लोग आपस में उलझ गए जिसमें गलगोटिया के छात्र और बाहरी लोग भी शामिल थे। बीच बचाव के बाद मामला सुलझ गया। इस बीच किसी ने पुलिस को जानकारी दे दी। पुलिस ने वहा के सभी ढाबों को बंद करा दिया।

सोमवार को यूनिवर्सिटी में आये नए विद्यार्थी अपने दोस्तों के साथ खाना खाने के लिए बाहर ढाबे पर आये तो उन्होंने देखा कि कुछ राहगीर और यूनिवर्सिटी के कुछ छात्र गांजा पी रहे थे। किसी बात छात्र और बाहरी लोगो में बहस हो गई। छात्रों से गाली-गलौज करदी।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी के बाहर टूटा ढाबा फोटो .जिम्सी

इस बीच वहां मौजूद किसी लड़के ने पूरे वाक्ये की विडियो क्लिप बनाकर पुलिस अधिकारियो तक पहुंचा दी। पुलिस एक्शन में आ गयी और उसने सभी ढाबो को बंद करा दिया।

यूनिवर्सिटी के छात्र दीपक का कहना है कि खाना पुरी तरह शुद्ध तो नहीं पर सस्ता और पेट भर जाता था । एक दूसरे छात्र मानिक ने कहा कि ढाबे बंद होने से आम छात्रों का नुक्सान हुआ है।खाना इतना लज़ीज़ और सस्ता खाने से यूनिवर्सिटी की कैंटीन पर असर पड़ रहा था। यूनिवर्सिटी कैंटीन बंद होने के कगार पर आ गई थी। यूनिवर्सिटी प्रशासन का कहना है कि बाहर कौन सा नशीला पदार्थ बिक रहा है इसकी जानकारी यूनिवर्सिटी को नही थी। बाहर के ढाबे गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखते जिससे बीमार होने का डर बना रहता है। ढाबे बंद होने से राहगीरों को परेशानी हो रही है तो मालिक के साथ-साथ मजदूरों की भी रोजीरोटी चली गयी।

एनसीसी कैडेट्स ने पोस्टर बनाकर दिया स्वच्छता का संदेश

जिम्सी संवादाता, ग्रेटर नोएडा

शुक्रवार को सेक्टर डेल्टा-2 स्थित 'एस्टर पब्लिक स्कूल' में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 31वीं यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी कैडेट्स ने स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए पोस्टर बनाए। इस प्रतियोगिता के आयोजक स्कूल प्रबंधन ने बेहतर पोस्टर बनाने वाली कैडेट रूपल शर्मा को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया। इसी दौरान स्वच्छता ही सेवा विषय पर नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर स्कूल के केयर टेकर नीरज और सुरभि उपस्थित रहे। नीरज भाटी ने सभी कैडेट्स को अपने आस-पास साफ सफाई रखने और लोगों को भी स्वछता के प्रति प्रेरित किया।

आग लगने से आधा दर्ज़न झुलसे

जिम्सी संवाददाता ,नई दिल्ली

- दिया गिरने से लगी आग
- बुजूर्ग दंपति झुलसे

बलजीत नगर स्थित झोपड़ी में आग लगने से एक दर्जन लोग झुलस गये। पीड़ितों को राम मनोहर लोहिया अस्पताल भरती कराया गया है.बलजीत नगर निवासी विजेंद्र जोशी झोपड़ी बनाकर पार्क में रहता है। पार्क में आसपास उसकी दो झोपड़ियां हैं। मंगलवार रात खाना खाने के बाद वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ झोपड़ी में सो रहा था। दूसरी झोपड़ी में उसकी मां प्रेमा देवी सो रही थी जिसके साथ कुछ रिश्तेदार भी थे. रात एक बजे लोगो ने देखा कि झोपडी में आग लग गई है. आग की चपेट में आकर बच्चे बड़े सभी बुरी तरह झुलस गए। कुल मिला कर तकरीबन दर्जन भर लोग इस आग की चपेट में आये है। धुआं होने पर विजेंद्र की नींद खुली तो देखा की झोपड़ी में आग लगी हुई है । घर में रखा सामान जल रहा था। पड़ोस में रहने वाले शेखर ने बताया कि आग की घटना दीया गिरने से हुई हैं। अनुराग ने देर रात करीब एक बजे फायरब्रिगेड को फोन कर आगजनी की सूचना दी। फायरब्रिगेड के न पहुचने पर ग्रामीणों ने आग बुझाई । मौके पर पहुंची पुलिस ने आग से झुलसे लोगो को अस्पताल भेजा ।

रामलीला में आफताब निभाते है हनुमान का किरदार

सद्धाम करीमी, नई दिल्ली

हनुमान के रोल में अफताब फोटो .जिम्सी

- चार साल से हनुमान बन रहे हैं अफताब
- हिन्दू जनता पैर छूकर लेती हैं आशीर्वाद

हर साल की तरह इस बार भी देश भर में रामलीला के मंचन की धूम है। सालों से रामलीला हिन्दुओं ही नहीं बल्कि सभी धर्मों के लोगों के लिए अहमियत रखती है। पूर्वी दिल्ली के शादीपुर स्थित बलजीत नगर में होने वाली रामलीला में मुस्लिम कलाकार भगवान हनुमान जी का किरदार निभाते है। पिछले चार साल से यह किरदार निभाते आ रहे आफ़ताब गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल हैं।

मूलत: गंगा नगर, राजस्थान के निवासी आफताब बीएससी का छात्र है। बचपन से उन्हें गाना गाने में रूचि थी। बड़े होकर वह थिएटर से जुड़ गए। यहाँ धार्मिक नाटकों में अलग-अलग भूमिका निभाते थे। इसी सिलसिले में एक बार उन्हें हनुमान का रोल करने का मौका मिला। उन्हें यह रोले बहुत पसंद आया। आगे बलजीत नगर रामलीला में मौक़ा मिलने पर हर साल हनुमान का किरदार निभाने लगे। चार साल से आफताब रामलीला से जुड़े हुए है। वे रामलीला समिति के पसंदीदा कलाकार बन गए हैं। आफ़ताब के मुताबिक उन्हें साल-भर इस रामलीला का इंतज़ार रहता है। बहरहाल जब आफताब हनुमान जी बनकर पहुंचते हैं तो हिंदू लोग पैर छूकर आशीर्वाद लेते हैं। उनके इस किरदार से मुस्लिम समुदाय के लोगो को कोई परेशानी नही है बल्कि लोग इस कार्यक्रम का मिलकर लुत्फ़ लेते हैं।

विशेष ...

बीमार और लाचार जानवरों की हमदर्द बनी डॉ. दीपा

रोहिताश चौधरी, नोएडा

- चोटिल आवारा पशुओं का करती हैं ईलाज
- फार्म हाउस में जानवरों की संख्या 70 से अधिक

पण्डित के चक्कर में आकर गाय और काले कुत्ते को रोटी खिलाने वाले रास्ते में अक्सर दिख जाते हैं। रोटी खिलाकर अपने धर्मखाते में पुण्य का ब्याज जोड़ने वाले बीमार गाय या कुत्ता देख रास्ता बदल लेते हैं। इसी समाज में कुछ ऐसे लोग भी हैं जो घायल और लाचार जानवरों के दर्द को महसूस करते है। डा. दीपा नरूला उन चंद लोगो में एक है। डा. दीपा ने आदमियों के साथ साथ जानवरों के इलाज का भी बीड़ा उठाया है। पेशे से डॉक्टर दीपा इंसानों का इलाज करती हैं। अपने मूल पेशे से खाली होने के बाद बीमार या घायल जानवरों के ईलाज में लग जाती है।

मूल रूप से पंजाब के साहनेवाल की डा. दीपा नरूला गुडगाँव के एक निजी अस्पताल में सर्जन हैं। उनके पति कुलदीप नरूला पेशे से मनो-चिकित्सक थे। वह आवारा घूमने वाले जानवरों को खाना खिलाते थे और चोटिल या बीमार जानवरों

जानवरों के साथ डॉ. दीपा फोटो .जिम्सी

का ईलाज करते थे। चार साल पहले कुलदीप की एक सड़क हादसे में मौत हो गई थी। इसके बाद दीपा ने उनके इस काम को अपने हाथों में ले लिया। वह कहती हैं कि आदमी जानवरों का पूरा इस्तेमाल करता है लेकिन बीमार या लाचार होने पर उसे छोड़ देता है। डॉ दीपा ने बताया कि अपने स्तर पर जो भी बन सकता है वह पशुसेवा में धन लगाती है। उनके दोनों बेटे रूस में डॉक्टर हैं जो नियमित तौर पर जानवरों के लिए धन भेजते हैं।

डॉ दीपा ने बताया कि ज्यादा से ज्यादा जानवरों के इलाज के लिए उन्होंने नोएडा सेक्टर-135 में एक फार्म हाउस खरीदा है। पशुओं की देखभाल और लम्बे इलाज़ के लिए चार लोगों को भी रखा है। डा. दीपा पहले खुद बीमार या घायल जानवरो को इलाज़ के लिए ले आती थी। अब उनके फार्म हाउस के आसपास के इलाके में बीमार जानवरों को लोग खुद पहुंचा देते हैं। अपनी व्यस्तता से वक्त निकालकर दीपा रोजाना फार्म हाउस पहुंचकर सभी जानवरों का हालचाल लेती है। ज़रूरत पड़ने पर बाहर से डॉक्टर भी बुलाती है। उनके फार्म में इस वक्त तकरीबन 70 से अधिक जानवर हैं जिनका इलाज चल रहा है। जिनमें 30 कुत्ते, 35 गाय शामिल हैं. डॉ दीपा का प्रयास देखने-सुनने में भले ही छोटा लगे लेकिन उपेक्षित मूक जानवरों का दर्द समझना और उसे कम करने का जुनून आज की किसी भी धार्मिक या सामाजिक सेवा से कहीं बड़ी सेवा है।

लोग जानवरों को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करते हैं। इन बेजुबानों को उस वक्त हम भूल जाते हैं जब ये बीमार पड़ते हैं या फिर किसी दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। डॉक्टर होने के नाते मेरा फर्ज है कि मैं हर बीमार का इलाज करूँ. अब चाहे वो जानवर ही क्यों ना हों। इन मूक निरीह बेजुबानों के हिस्से का कुछ दर्द कम करना ही मेरी कोशिश है. यह सब करके मुझे बेहद सुकून मिलता है। उम्मीद है कि ताउम्र यह सिलसिला चलता रहे।

डॉ दीपा नरूला (सर्जन ,

धर्म पब्लिक स्कूल में मनाया गया दशहरा

जिम्सी संवाददाता, ग्रेनो

बुधवार को नॉलेज पार्क 1 स्थित धर्म पब्लिक स्कूल में दशहरा मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए नृत्य, गाना, रंगोली और नाटक जेसी कई प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाग लेते हुए बच्चों ने माँ दुर्गा, भगवान शिव, श्रीकृष्ण, राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान आदि पर आधारित कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में अच्छी अदाकारी निभाने वाले बच्चों को तीन श्रेणियों में पुरुस्कृत किया गया. जिनमें प्रथम पर राहुल, द्वीतीय पर कोमल और तृतीय पर नेहा कुमारी को पुरुस्कृत किया गया. मौके पर मौजूद स्कूल की डायरेक्टर दीपा चौधरी, प्रिंसिपल विभा शर्मा, कोआर्डिनेटर निर्मला डंगवार आदि शिक्षकों ने विद्यार्थियों को महापुरुषों के बारे में जानकारी दी और उनका उत्साह बढाया।

संपादक - भुवन शुक्ला , सह - संपादक एंव पृष्ठ सज्जा - भैरों सिंह , संवाददाता मंडली - तनिष्क सिंह तोमर , रोहिताश चौधरी केतन चौहान , अमानुल्लाह, सद्दाम करीमी, मेंटर - सिन्धु झा, राजीव सिंह